BHCC-121

स्नातक कार्यक्रम

(बी.ए. गृह विज्ञान) (FYUP)

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड: BHCC-121

मानव विकास के आधारभूत तत्त्व

सतत् शिक्षा विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली



स्नातक कार्यक्रम

(बी.ए. गृह विज्ञान) (FYUP)

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)
जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड: BHCC-121
मानव विकास के आधारभूत तत्त्व

सतत् शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

BHCC-121: मानव विकास के आधारभूत तत्त्व

शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

कार्यक्रम मार्गदर्शिका में समझाया गया है कि IGNOU में मूल्यांकन दो भागों में होता है:

i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन

ii) सत्रांत परीक्षा।

अंतिम परिणाम में, सत्रीय कार्य का 30% अंक (weightage) होता है और सत्रांत परीक्षा का 70% अंक (weightage) होता है। यह सत्रीय कार्य पुस्तिका मुख्य पाठ्यक्रम BHCC-121'मानव विकास के आधारभूत तत्त्व' पाठ्यक्रम हेतु है, जो FYUP के बी.ए. गृह विज्ञान प्रथम वर्ष के कार्यक्रम का भाग है।

सत्रीय कार्य करने से पहले कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देश अवश्य पढ़ें। यह आवश्यक है कि उत्तर अपने शब्दों में लिखें। उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के आसपास होने चाहिए। इससे आपके लेखन कौशल और विषय की समझ दोनों ही विकसित होंगी। इससे आप सत्रांत परीक्षा के लिए भी तैयार हो जाएँगे।

** सत्रीय कार्य जमा करने के निर्देश: **

- सत्रीय कार्य नियत समय सीमा में जमा करें ताकि आप सत्रांत परीक्षा के लिए पात्र हो सकें।
- यह सत्रीय कार्य जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र के लिए मान्य है। जमा करने की अंतिम तिथियाँ इस प्रकार हैं:

सत्रीय कार्य	जमा करने की तिथि	जमा करने स्थान
सत्रीय कार्य (TMA) जुलाई 2026 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2027	**आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को**
सत्रीय कार्य (TMA) जनवरी 2027 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितंबर 2027**	**आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को**

- आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।

- अन्य सभी सत्रीय कार्य की तरह, इसे भी आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना होगा। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर यह सत्रीय कार्य ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है। कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट पर जाकर देखें कि ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं।
- अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा और अंक विश्वविद्यालय को भेजेगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आपको मूल्यांकित सत्रीय कार्य वापस मिले।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। आपके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा:

• योजना: प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें और प्रमुख बिंदुओं को व्यवस्थित करें।

• संगठन: उत्तर की रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

क) तार्किक और सुसंगत हो;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

• प्रस्तुति: उत्तर साफ-सुथरा, बिंदुवार और शब्द सीमा के भीतर होना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित,

पाठ्यक्रम समन्वयक

BHCC-121: मानव विकास के आधारभूत तत्त्व
शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: BHCC-121/ASST/TMA
जुलाई 2026 – जनवरी 2027
अधिकतम अंक: 100

****नोट: किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।****

सत्रीय कार्य दो खंडों 'अ' और 'ब' में विभाजित है। आपको प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्न लगभग 600 शब्दों में हल करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड – अ

1. भारत में गृह विज्ञान और सामुदायिक विकास के बहु-विषयक परिदृश्य को आकार देने में प्रमुख भारतीय वैज्ञानिकों, सामाजिक अभियंताओं और विचारकों (जैसे एम.एस. स्वामीनाथन, सी.वी. गोपालन, एस.के. डे और रवीन्द्रनाथ टैगोर) के योगदानों की विस्तृत चर्चा कीजिए। **20**

2. पैवलॉव के शास्त्रीय अनुकूलन (Classical Conditioning) और स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुकूलन (Operant Conditioning) की तुलना कीजिए। बैंडुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Learning Theory) प्रेक्षणात्मक अधिगम (Observational Learning) के माध्यम से शुद्ध व्यवहारवाद और संज्ञानात्मक प्रक्रमण के बीच की खाई को कैसे पाटता है? **20**

3. प्रसवपूर्व विकास (गर्भाधान/अंतः गर्भाशयी वृद्धि) के दौरान होने वाले प्रमुख विकासात्मक परिवर्तनों का वर्णन कीजिए। इस अवस्था को पर्यावरणीय संवेदनशीलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण या संवेदनशील अवधि (Critical Period) क्यों माना जाता है? **20**

4. जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशु के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले एपीजीएआर (APGAR) स्केल के संकेतकों की व्याख्या कीजिए। जीवन के पहले तीन वर्षों के दौरान मस्तिष्क के विकास/संरचना (Brain Wiring) की शारीरिक- **20**

क्रियात्मक प्रक्रिया, जिसमें सिनेप्टोजेनेसिस (Synaptogenesis), मायलिनीकरण (Myelination) और प्रूनिंग (Pruning) शामिल हैं, की चर्चा कीजिए।

5. (शैशवावस्था और टॉडलर अवस्था के दौरान संज्ञानात्मक एवं भाषा विकास): शिशुओं में पूर्व-भाषायी और प्रारंभिक भाषायी ध्वनि उत्पादन के कालानुक्रमिक चरणों का वर्णन कीजिए—रोने और किलकारी (Cooing) से लेकर बालालाप (Babbling), एक-शब्दात्मक अभिव्यक्ति (Holophrases) और टेलीग्राफिक/तार की भाषा (Telegraphic Speech) तक। **20**

6. जॉन बॉल्बी और मैरी एंसवर्थ के लगाव सिद्धांतों (Attachment Theories) की व्याख्या कीजिए। टॉडलर अवस्था में निर्मित शुरुआती लगाव के प्रकार (सुरक्षित बनाम असुरक्षित) संपूर्ण जीवनकाल में सामाजिक-भावनात्मक सुरक्षा को कैसे प्रभावित करते हैं? **20**

7. उत्तर बाल्यावस्था में पियाजे के पूर्व-संक्रियात्मक चरण (Pre-operational stage: अहंकेंद्रिता, जीववाद, संरक्षण का अभाव) से मूर्त-संक्रियात्मक चरण (Concrete Operational stage: विकेंद्रीकरण, उत्क्रमणशीलता, वर्गीकरण) में होने वाले बदलाव की व्याख्या कीजिए। **20**

खंड – ब

1. प्रारंभिक और उत्तर बाल्यावस्था के दौरान पारिवारिक संरचनाएं, सहपाठी समूह (Peer Groups) और लैंगिक भूमिका समाजीकरण किस प्रकार भावनात्मक स्व-नियमन और प्रो-सोशल (सहानुभूतिपूर्ण/सामाजिक) विकास को प्रभावित करते हैं, इसका विश्लेषण कीजिए। **20**

2. किशोरावस्था के दौरान एरिकसन के 'पहचान बनाम पहचान भ्रांति' (Identity vs. Identity Confusion) के चरण का परीक्षण कीजिए। साथियों का दबाव (Peer **20**

Pressure), पारिवारिक गतिशीलता और स्वायत्तता की खोज पहचान निर्माण को कैसे आकार देती है?

3. एलिज़ाबेथ कुबलर-रॉस द्वारा बताए गए मृत्यु और शोक से निपटने के पाँच चरणों (अस्वीकार/इनकार, क्रोध, सौदेबाजी, अवसाद, स्वीकार्यता) की चर्चा कीजिए। **20**

4. विकासोपयुक्त अभ्यास (Developmentally Appropriate Practice - DAP) की अवधारणा को परिभाषित कीजिए और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) में इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए। **20**

5. टेराटोजेन्स (Teratogens / विरूपजन) क्या हैं? गर्भावस्था के दौरान जन्मजात क्षति (Congenital damage) का कारण बनने वाले तीन पर्यावरणीय कारकों या मातृ स्वास्थ्य स्थितियों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए। **20**

6. मेटाकॉग्निशन (Metacognition / परासंज्ञान) क्या है, और उत्तर बाल्यावस्था के दौरान स्मृति क्षमता में कैसे सुधार होता है? **20**

7. किशोरों की आत्म-अवधारणा में 'काल्पनिक दर्शक' (Imaginary Audience) और 'व्यक्तिगत कथा/गाथा' (Personal Fable) की अवधारणाओं को संक्षेप में परिभाषित कीजिए। प्रौढ़ावस्था के दौरान तरल बुद्धिमत्ता (Fluid Intelligence) और क्रिस्टलीकृत/मूर्त बुद्धिमत्ता (Crystallized Intelligence) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। **20**